Theories of Intelligence
(बुद्धि के सिद्धांत)

(2.) Thurstone multi-factor theory (थर्स्टन का बहु-कारक सिद्धांत) — Thurstone ने अपनी पुस्तक 'Primary Mental Abilities' में बुद्धि के 13 मानसिक योग्यताओं का समूह बताया है। इनमें सात (7) प्राथमिक मानसिक योग्यताएँ होती हैं जो एक-दूसरे से अपेक्षाकृत स्वतंत्र होकर कार्य करती हैं। ये योग्यतायें निम्नांकित हैं :—

(1.) स्मृति (Memory) — सूचनाओं के पुनःस्मरण में परिशुद्धता

(2.) प्रत्यक्षीकरण की योग्यता (Perceptual ability) — विस्तृत प्रत्यक्षीकरण करने की योग्यता

(3.) संख्यात्मक/सांख्यिकी योग्यता (Numerical ability) — संख्यात्मक तथा गणितीय कार्यों की गति एवं परिशुद्धता से करने का कौशल

(4.) शाब्दिक योग्यता (Verbal ability) —

Scanned with CamScanner

N.O.T.E.S

संप्रत्ययों तथा विचारों के अर्थों को समझना। शब्दों का प्रवाह तथा नम्यता के साथ उपयोग कर लेना।

(5.) स्थान संबंधी योग्यता। दैशिक संबंध (Spatial ability) – प्रतिरूपों तथा रचनाओं का मानस प्रत्यक्षीकरण कर लेना।

(6.) तार्किक योग्यता (Logical ability) – शब्दों को प्रवाह तथा नम्यता के साथ उपयोग कर लेना।

(7.) समस्या-समाधान की योग्यता (Problem-Solving ability) – समस्या-समाधान आगमनात्मक व योग्यता तथा निगमनात्मक योग्यता के माध्यम से समस्या का समाधान करना।

3. Jensen ने बुद्धि का एक पदानुक्रमिक (Hierarchical) मॉडल प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने योग्यताओं को दो स्तरों पर विभाजित कर बताया - प्रथम स्तर (Level-I) तथा द्वितीय स्तर (Level-II) पर कार्य करती है। प्रथम स्तर साहचर्यात्मक अधिगम (Associative learning) का होता है जिसमें Inductive तथा deductive लगभग समान होते हैं। e.g - रट कर किया जाने वाला अधिगम तथा

स्मृति)। Level-II Cognitive abilities संज्ञानात्मक सक्षमताओं का होता है जिसमें उच्च स्तरीय कौशल होते हैं जो आगत (Inductive) को एक प्रभावी निगमन (deductive) में परिवर्तित करते हैं।

4. Guilford ने बुद्धि-संरचना मॉडल (Structure-of-Intellect model) प्रस्तुत किया, जिसमें बौद्धिक विशेषताओं को तीन विमाओं (dimensions) में बाँटा गया है — संक्रियाएँ (Operations), विषयवस्तु (Content) तथा उत्पाद (Product)। संक्रियाओं से तात्पर्य बुद्धि द्वारा की जाने वाली क्रियाओं से है। इसमें संज्ञान, स्मृति, अभिसारी चिंतन, अपसारी चिंतन तथा मूल्यांकन की क्रियाएँ होती हैं।

विषयवस्तु का संबंध उस सूचना के स्वरूप से होता है जिस पर व्यक्ति की बौद्धिक क्रियायें बनी होती हैं। इसमें दृष्टि तथा श्रवणात्मक आकृति, प्रतीकात्मक तथा अर्थगतविषयक से होता है। उत्पाद का अर्थ उस स्वरूप से होता है जिसमें व्यक्ति सूचनाओं का प्रक्रमण करता है। उत्पाद के इकाई, वर्ग, संबंध, व्यवस्था, रूपांतरण तथा निहितार्थ में

Scanned with CamScanner

वर्गीकृत किया जाता है। Guilford ने 6×5×6 वर्ग बनाते हैं इसलिए इस मॉडल में 180 प्रकोष्ठ होते हैं। प्रत्येक प्रकोष्ठ में योग्यता के कम-से-कम एक कारक के सम्मिलित होने की प्रत्याशा की जाती है, कुछ प्रकोष्ठों में एक से अधिक कारक भी हो सकते हैं। प्रत्येक कारक को तीनों विभागों के आधार पर वर्णित किया जाता है।

5. Gardner's theory of multi-purpose intelligence (गार्डनर का बहुबुद्धि सिद्धांत) — Gardner के अनुसार बुद्धि कोई एक योग्यता नहीं है बल्कि इसमें अनेक प्रकार की योग्यता होती है। यह सिद्धांत तीन विचारों पर आधारित है —

(i) बुद्धि एकल योग्यता नहीं है बल्कि इसमें एक-दूसरे से भिन्न अनेक योग्यताएँ पायी जाती हैं।

(ii) इसमें पायी जाने वाली योग्यताएँ एक-दूसरे से स्वतंत्र हैं

(iii) विभिन्न तरह की बुद्धियाँ (योग्यताएँ) संयुक्त रूप से समस्या-समाधान में सक्रिय होती हैं।

NOTES

DATE

Gardner के अनुसार 8 (आठ) प्रकार की बुद्धि होती है —

1. भाषिक (Linguistic) — इस बुद्धि का संबंध पढ़ने-लिखने, सुनने, बातचीत करने, समझने आदि से होता है। जिस व्यक्ति में यह बुद्धि अन्य लोगों से ज्यादा होगी वह इस क्षमता को ज्यादा अच्छे ढंग से प्रदर्शित कर पाएगा। इस बुद्धि का उपयोग विशेषकर, कवि या लेखक करते हैं।

2. तार्किक-गणितीय बुद्धि (Logical-mathematical intelligence) — इस बुद्धि का संबंध numerical problems से है। इसमें तर्क एवं प्रतीकों का उपयोग मूर्त रूप से व्यक्ति करता है। इस बुद्धि का उपयोग विशेषकर वैज्ञानिक एवं mechanical works में किया जाता है।

3. देशगत बुद्धि (Spatial intelligence) — इसका उपयोग third dimension के प्रत्यक्षीकरण में होता है। इस प्रकार की बुद्धि का उपयोग नाविकों, इंजीनियरों, शल्यचिकित्सकों, वायुयान-चालकों, गाड़ी-चालकों, चित्रकारों एवं मूर्तिकारों द्वारा किया जाता है।

4. संगीतपरक बुद्धि (Musical Intelligence) — इस बुद्धि का प्रदर्शन संगीत-तारत्व में

Scanned with CamScanner

N.O.T.E.S

संगीत के उतार-चढ़ाव, इसको परखने, गायन एवं वाद्ययंत्र बजाने को देखा जाता है। यह संगीतज्ञ, नृत्यकला में निपुण लोगों एवं गायकों के लिए आवश्यक है।

5. शारीरिक-गति संवेदनापरक बुद्धि (Bodily-Kinesthetic intelligence) – इस प्रकार की बुद्धि खेलकूद, शल्यक्रिया, शिल्परचना एवं नृत्य में निपुणता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। यह बुद्धि सूक्ष्म मांसपेशिय गति के लिए आवश्यक कौशल एवं निपुणता से संबंधित है।

6. अंतर्वैयक्तिक बुद्धि (Interpersonal Int.) – इस बुद्धि की आवश्यकता दूसरे व्यक्तियों की प्रेरणाओं, इच्छाओं एवं भावनाओं तथा क्रियाओं को समझने की क्षमता से संबंधित है। इस बुद्धि का उपयोग राजनीतिज्ञ, विक्रेता, शिक्षकों एवं धर्म-प्रचारकों द्वारा की जाती है।

7. अंतः वैयक्तिक (Intrapersonal int.) – इस बुद्धि का संबंध स्वयं को समझने एवं अपनी पहचान संबंधी ज्ञान को विकसित करने से है। अपने भावों एवं संवेगों को निर्देशित एवं नियंत्रित करने

N.O.T.E.S DATE

और उनमें मेल करने और अपने व्यवहार को उचित ढंग से निर्देशित करने की एक क्षमता से है।

8. प्रकृतिविषयक बुद्धि (Naturalistic int.) – इस बुद्धि का संबंध प्राकृतिक पर्यावरण से हमारे संबंधों की पूर्ण अभिज्ञता से है। प्राकृतिक पर्यावरण में सूक्ष्म विभेद करने से है। इस प्रकार की बुद्धि किसानों, शिकारियों, जीवविज्ञानी, पक्षीविज्ञानी आदि में अधिक मात्रा में होती है।